Model: Duastro-Kundli-Milan

SrNo: 115-120-105-3261 / 1029 Date: 21/02/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/01/1999	जन्म तिथि	01/01/2000
शुक्रवार	दिन	शनिवार
घंटे 13:01:00	जन्म समय	13:01:00 घंटे
घटी 14:27:13	जन्म समय(घटी)	14:27:23 घटी
India	देश	India
.Delhi	स्थान	.Delhi
28:37:00 उत्तर	अक्षांश	28:37:00 उत्तर
77:12:00 पूर्व	रेखांश	77:12:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:12	स्थानिक संस्कार	-00:21:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:14:06	सूर्योदय	07:14:02
17:35:11	सूर्यास्त	17:35:01
23:50:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:11

मेष	लग्न	मेष
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
मिथुन	राशि	तुला
बुध	राशि–स्वामी	शुक्र
मृगशिरा	नक्षत्र	स्वाति
मंगल	नक्षत्र स्वामी	राहु
4	चरण	4
ब्रह्म	योग	धृति
विष्टि	करण	बव
की–किशोर	जन्म नामाक्षर	ता–तनुजा
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
शूद्र	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
सर्प	योनि	महिष
देव	गण	देव
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मार्जार	वर्ग	सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 0वर्ष 5मा 30दि		04:42:27	मेष	लग्न	मेष	04:22:29	राहु 3वर्ष 8मा 30दि	
गुरु		16:35:04	धनु	सूर्य	धनु	16:19:31	शनि	
02/07/2017		05:42:56	मिथु	चंद्र	तुला	17:13:20	02/10/2019	
02/07/2033		24:41:49	कन्या	मंगल	कुंभ	03:57:55	01/10/2038	
गुरु	20/08/2019	27:52:03	वृश्चि	बुध	धनु	07:44:44	शनि	04/10/2022
शनि	02/03/2022	28:08:46	कुंभ	गुरु	मेष	01:23:32	बुध	14/06/2025
बुध	07/06/2024	01:56:06	मक	शुक्र	वृश्चि	07:29:12	केतु	23/07/2026
केतु	14/05/2025	02:56:02	मेष	शनि व	मेष	16:32:46	शुक्र	22/09/2029
शुक्र	13/01/2028	28:59:17	कर्क व	राहु व	कर्क	10:06:35	सूर्य	04/09/2030
सूर्य	31/10/2028	28:59:17	मक व	केतु व	मक	10:06:35	चन्द्र	04/04/2032
चन्द्र	02/03/2030	17:07:59	मक	हर्ष	मक	20:56:48	मंगल	14/05/2033
मंगल	06/02/2031	07:13:47	मक	नेप	मक	09:19:59	राहु	20/03/2036
राहु	02/07/2033	15:17:05	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	17:35:42	गुरु	01/10/2038

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:25 चित्रपक्षीय अयनांश **23:51:11**

लग्न–चलित

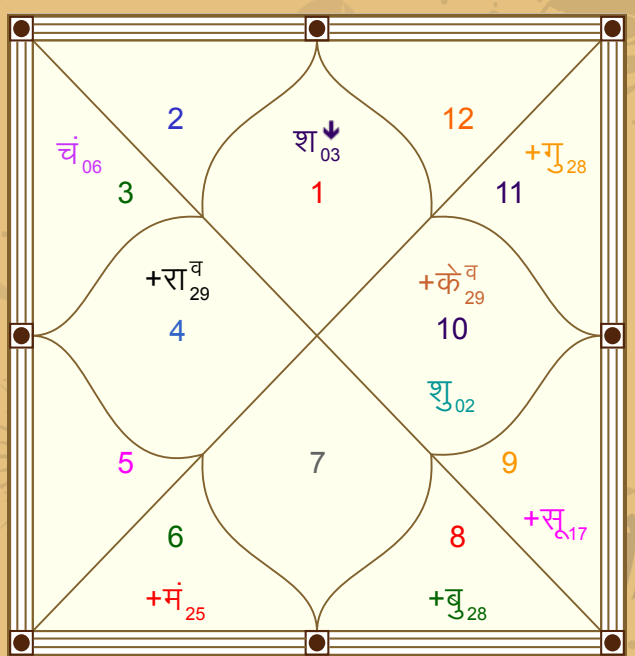

लग्न–चलित

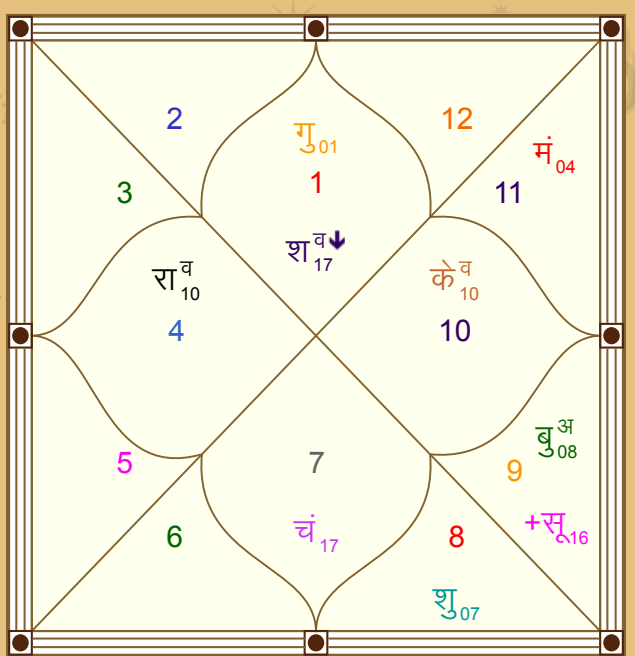

चन्द्र कुंडली

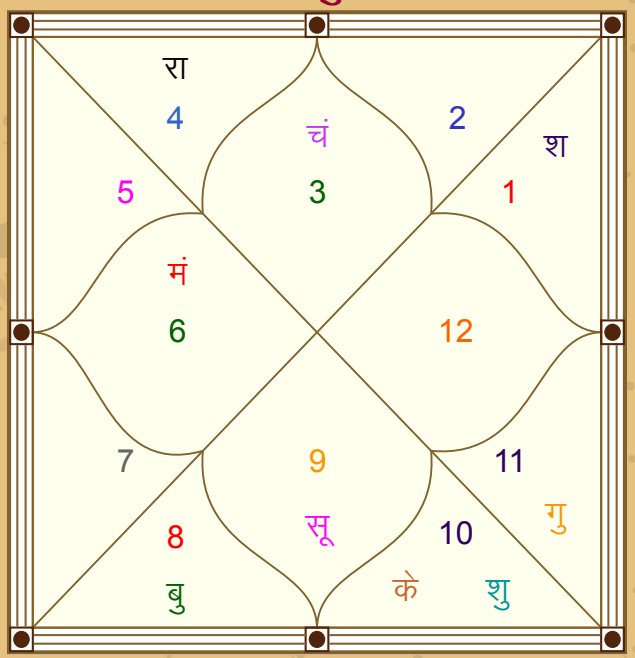

चन्द्र कुंडली

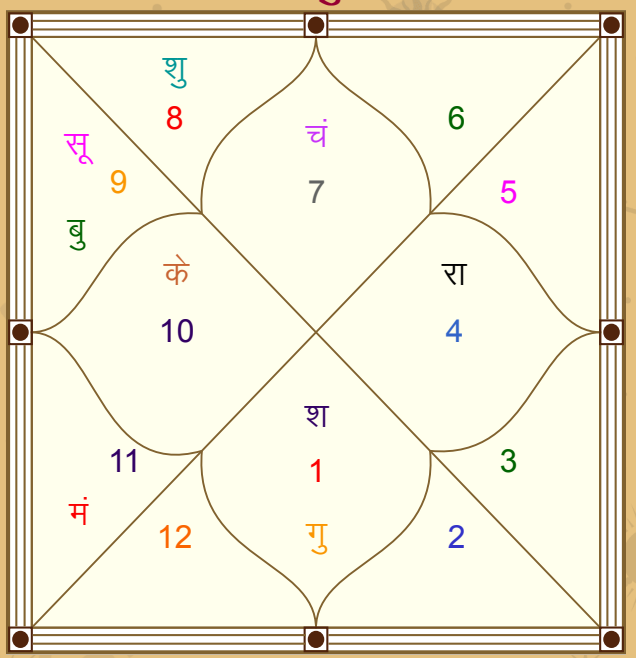

नवमांश कुंडली

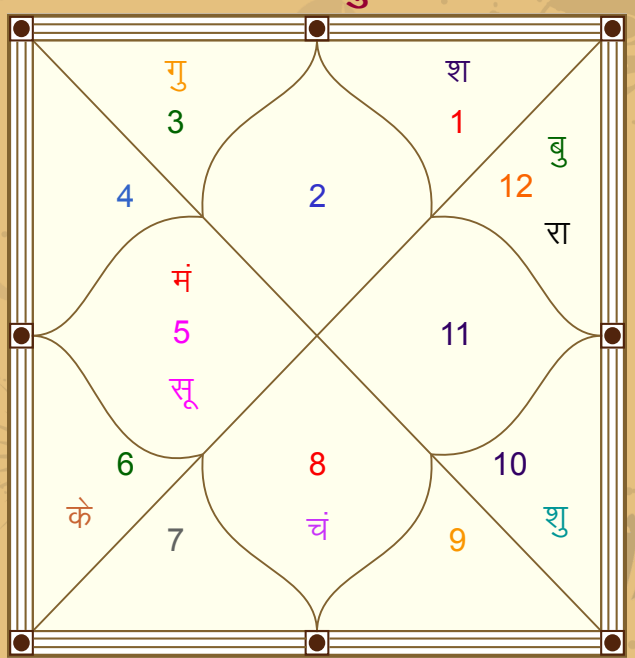

नवमांश कुंडली

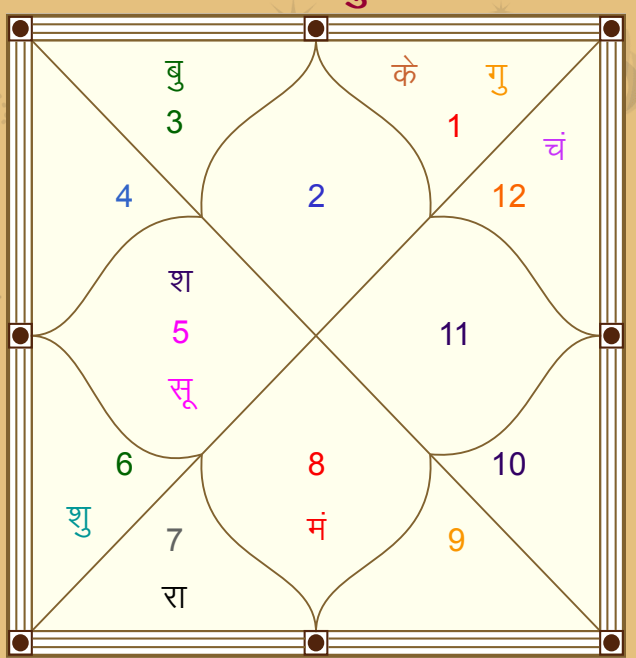

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	––	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	––	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	––	भाग्य
योनि	सर्प	महिष	4	2.00	––	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	––	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	––	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	––	स्वास्थ्य / संतान
कुल :			**36**	**27.00**		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Duastro Sample का वर्ग मार्जार है तथा Duastro Sample का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Duastro Sample और Duastro Sample का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Duastro Sample मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Duastro Sample मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Duastro Sample तथा Duastro Sample में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

Duastro Sample की जन्म राशि वायुतत्व युक्त मिथुन राशि है तथा Duastro Sample की राशि वायु तत्व युक्त तुला राशि है। वायुतत्व की वायु तत्व से मित्रता एवं समानता नैसर्गिक रूप से होती है। अतः Duastro Sample और Duastro Sample में स्वभावगत समानताएं रहेंगी। अतः इनके संबधों में प्रगाढ़ता होगी जिससे Duastro Sample और Duastro Sample का दाम्पत्य जीवन सुखपूर्वक व्यतीत होगा। इस प्रकार यह मिलान उत्तम रहेगा

Duastro Sample का राशि स्वामी बुध तथा Duastro Sample का राशि स्वामी शुक्र परस्पर मित्र हैं। अतः Duastro Sample और Duastro Sample के प्रति परस्पर मतभेदों तथा विवादों की न्यूनता रहेगी तथा परस्पर गुणों की प्रशंसा करेंगे एवं दोषों की उपेक्षा करेंगें इस प्रकार से दोनों एक दूसरे को पूर्ण सुख, सहयोग एवं सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही समर्पण की भावना भी विद्यमान रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

Duastro Sample और Duastro Sample की राशि एक दूसरे से पंचम एवं नवम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष है। अतः इसके प्रभाव से Duastro Sample ओर Duastro Sample के मध्य मतभेद उत्पन होगें तथा दोनों की स्वाभिमानी प्रवृति के कारण संबंधों में अल्प समय के लिए तनाव उत्पन हो सकता है परन्तु बुद्धिमता से ऐसी परिस्थितियों का सामना करके ये मतभेदों को दूर करने में समर्थ रहेंगे।

Duastro Sample एवं Duastro Sample दोनों का वश्य मानव है। अतः आपकी परस्पर अभिरूचियों में समानता रहेगी। साथ ही शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी समान आवश्यकताए होंगी जिससे कामसबंधों मे एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने मे समर्थ रहेगें इससे Duastro Sample और Duastro Sample का दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा एवं संबधों मे मधुरता रहेगी।

Duastro Sample और Duastro Sample दोनों का वर्ण शुद्र है अतः दोनों की रूचि एवं कार्यक्षमता समान रहेगी फलतः कार्यक्षेत्र में यथोचित उन्नति एवं सफलताएं अर्जित करेगें ।

धन

Duastro Sample का जन्म अतिमित्र तथा Duastro Sample का सम्पत नामक तारा में हुआ है। इसके प्रभाव से Duastro Sample एक धनवान तथा भाग्यशाली महिला होंगी तथा Duastro Sample के शुभ प्रभाव से उनकी आर्थिक स्थिति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर सम रहेगा। अतः स्वपरिश्रम से ही इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही मंगल का भी कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार क्नेंजतव

द्य ण ण ण

उचसम और Duastro Sample आरामदायक जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

Duastro Sample और Duastro Sample को लाटरी, सट्टे या अन्य स्रोतों से अनायास धन प्राप्ति की संभावना होगी। साथ ही विभिन्न प्रकार के भौतिक संसाधनों का वे उपभोग करने में सफलता प्राप्त करेंगे। इसके अतिरक्त वे जायदाद तथा आभूषण आदि को भी अर्जित करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

Duastro Sample की नाड़ी मध्य तथा Duastro Sample की नाड़ी अंत्य है। अतः दोनों की अलग अलग नाड़ियां होने के कारण ये नाड़ी दोष से मुक्त रहेंगे। इसके प्रभाव से Duastro Sample और Duastro Sample दोनों का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा परिश्रम एवं पराक्रम से वे अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथा समय सम्पन्न करने में समर्थ रहेंगे। इससे दाम्पत्य जीवन में खुशहाली तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी। साथ ही मंगल का भी किसी के स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं रहेगा। अतः उत्तम दाम्पत्य जीवन को व्यतीत करने की दृष्टि से यह मिलान अनुकूल रहेगा तथा Duastro Sample और Duastro Sample सुख एवं आनंद पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Duastro Sample और Duastro Sample का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Duastro Sample और Duastro Sample के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Duastro Sample के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Duastro Sample को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Duastro Sample को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Duastro Sample और Duastro Sample सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्व वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Duastro Sample और Duastro Sample का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल–सुश्री

Duastro Sample के अपने सास से संबध सामान्य ही रहेंगे तथा विशिष्ट मधुरता के भाव की समय समय पर न्यूनता का आभास होगा परन्तु आपसी सामंजस्य से किंचित अनुकूलता इसमें बनाए रखने में दोनों समर्थ रहेंगे। यदा कदा इनके मध्य मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होगा परन्तु यह क्षणिक होगा एवं गंभीर नहीं होगा। साथ ही Duastro Sample सास को अपने माता के समान सेवा तथा सम्मान प्रदान करेंगी।

अपने विनम्र स्वभाव सामंजस्य की प्रवृति तथा सेवा भाव के कारण ससुर की प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबधों में तनाव रहेगा तथा आपस में आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव विद्यमान रहेगा परन्तु यदि Duastro Sample किंचित धैर्य एवं सामंजस्य से कार्य ले तो इनसे संबधों में मधुरता उत्पन्न हो सकती है तथा वे भी Duastro Sample को यथोचित सम्मान एवं सहयोग प्रदान करेंगे।

इस प्रकार सास ससुर का दृष्टि कोण Duastro Sample के प्रति सामान्यतया अच्छा रहेगा एवं परिवार के सदस्य के रूप में वे उसे स्वीकार करेंगे ।

ससुराल–श्री

Duastro Sample तथा सास के संबधों में विशेष मधुरता का भाव नहीं रहेगा तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण दोनों के मध्य वैचारिक मतभेद रहेंगे लेकिन इनमें अधिक गंभीरता नहीं रहेगी। यदि Duastro Sample तथा इनकी सास आपसी सामंजस्य तथा बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों की मधुरता में वृद्धि हो सकती है।

लेकिन ससुर के साथ में Duastro Sample के संबध मधुर रहेंगे तथा उनके प्रति मान सम्मान तथा श्रद्धा का भाव रहेगा। साथ ही उनसे पिता के समान ही व्यवहार करेंगे। साथ ही वे भी Duastro Sample को पुत्रवत स्नेह तथा वात्सल्य प्रदान करेंगे। Duastro Sample समय समय पर अपने ससुर से आवश्यक तथा बहुमूल्य सलाह तथा निर्देश भी प्राप्त करते रहेंगे परन्तु साले तथा सालियों के साथ में संबधों में तनाव तथा मतभेद रहेंगे तथा एक दूसरे के प्रति आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा जिससे आपस में स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से ससुरालवालों का दृष्टिकोण Duastro Sample के प्रति अनुकूल ही रहेगा।